

**A Hearty Welcome to you All !!**

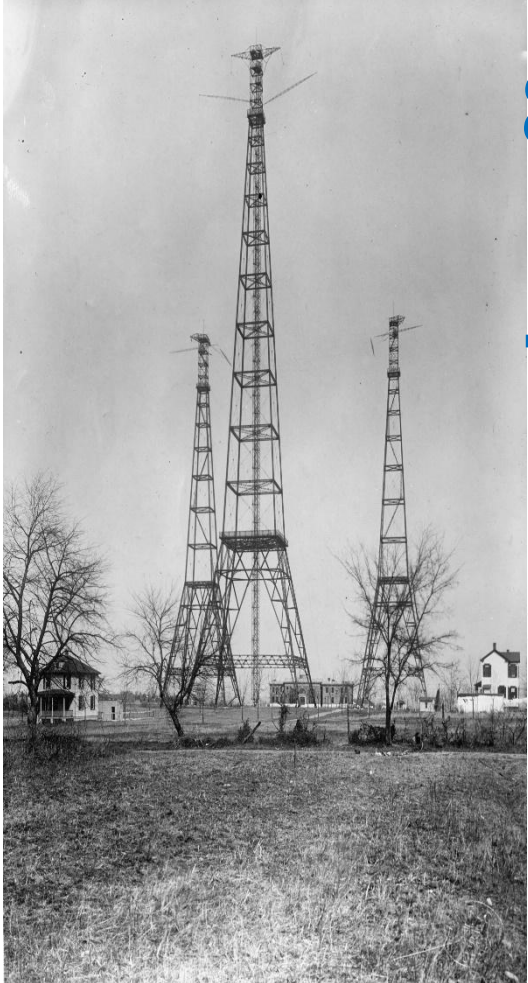


**नमस्कार**



# भारत में रेडियो प्रसारण का इतिहास

भारत में रेडियो प्रसारण जून 1923  
में बॉम्बे रेडियो प्रसारण क्लब  
द्वारा शुरू किया गया जो आज का  
मुम्बई है



इसके तुरंत बाद यह मद्रास और  
कलकत्ता में शुरू किया गया

# भारत में शैक्षिक रेडियो प्रसारण

All India Radio द्वारा 1936 में शुरू किया गया



स्कूलों के लिए 1937 में

दिल्ली , कलकत्ता , मद्रास और बंबई में शुरू हुआ- कोई विशेष पाठ्यक्रम नहीं था

# Radio and Television

15 सितम्बर 1959 को भारत में टेलीविजन शुरू हुआ



ऐसा लगा कि रेडियो का युग शायद समाप्त हुआ

लेकिन यह धारणा गलत निकली

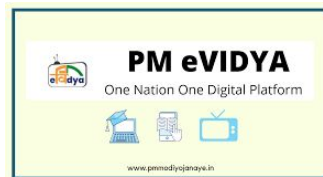


रेडियो ने अब पूरी ताकत से वापसी की है क्योंकि अब देश की आबादी का 67% FM रेडियो सुनता है



# राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत स्कूली शिक्षा में रेडियो का महत्व क्या है ?

जहां तक राष्ट्रीय शिक्षा नीति का सवाल है – यह दृढ़ता से रेडियो और शिक्षा क्षेत्र में अधिकतम संभव उपयोग की सिफारिश करती है।



PM eVidya के अनुसार

कक्षा 1 से 5 तक के लिए रेडियो चैनलों का व्यापक उपयोग

आकाशवाणी , सामुदायिक रेडियो और FM रेडियो



सूर्य की किरणों के बाद सबसे अधिक पृथ्वी पर जो पड़ती हैं वे रेडियो की तरंगें हैं

राष्ट्रीय शिक्षा नीति एक बहुभाषिकता की बात करती है और इसलिए उसमें सामुदायिक रेडियो के द्वारा स्कूली शिक्षा देने का बात कही गई है क्योंकि जहाँ इन्टरनेट और टेलीविजन नहीं पहुँच सकता वहाँ रेडियो और पाँडकास्ट पहुँच सकता है .

# NCERT द्वारा शैक्षिक रेडियो प्रसारण

वर्तमान में NCERT द्वारा पाठ्यक्रम और गैर पाठ्यक्रम आधारित रेडियो कार्यक्रम प्रसारित किये जा रहे हैं ---



132 आकाशवाणी के प्रसारण केन्द्रों द्वारा



257 सामुदायिक रेडियो प्रसारण केन्द्रों द्वारा

TOTAL 400 STATIONS

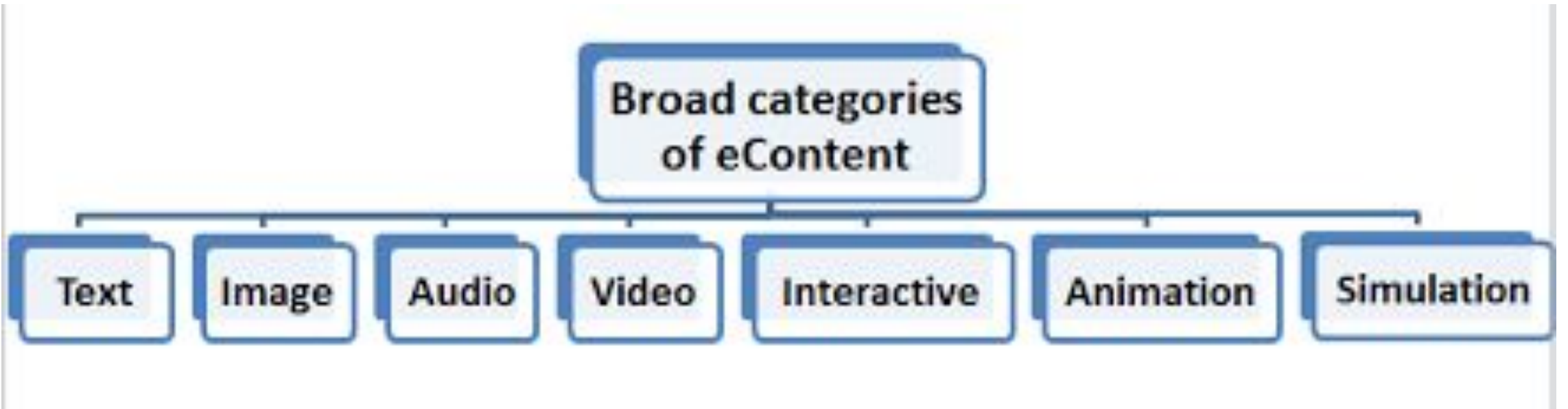


11 FM चैनल



इन्टरनेट रेडियो

# What is e content ?



ई सामग्री का अर्थ है इलेक्ट्रॉनिक रूप से उत्पादित, वितरित और प्रसारित कोई भी मीडिया सामग्री  
इसे हम डिजिटल सामग्री या कंटेंट भी कह सकते हैं

क्या रेडियो अलोकप्रिय है ?  
**Is Radio Unpopular ??**





# क्या रेडियो अलोकप्रिय है ?

- नहीं ! ऐसा बिलकुल भी नहीं है

**हम अपना दिन अब रेडियो से ही शुरू करते हैं**

- हम रेडियो कार्यक्रम “मन की बात “उदाहरण के तौर पर देख सकते हैं जिसके द्वारा भारत के माननीय प्रधान मंत्री पूरे देश को संबोधित करते हैं.
- हाल के सर्वेक्षणों से पता चला है कि भारत में रेडियो सुनने का चलन अब बढ़ता जा रहा है.
- एक बात स्पष्ट हो जानी चाहिए की रेडियो का अर्थ अब ऑडियो ही है कोई मेकेनिकल रेडियो सेट मात्र नहीं . इसमें पाँडकास्ट भी शामिल हैं

# Strengths of Radio...



ज़्यादा किफ़ायती

सुगमता से लाना ले जाना

अन्य कार्य भी हो सकते हैं

दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों में आसान पहुँच

प्राकृतिक आपदाओं में प्रभावी



कल्पना शक्ति को  
बढाने वाला

स्क्रीन टाइम नहीं  
है



# रेडियो की खूबियाँ ---

- रेडियो संचार का सबसे किफायती माध्यम है, निम्न आय वर्ग के लिए भी यह बहुत उपयुक्त है रेडियो को आसानी से कहीं भी लाया ले जाया जा सकता है
- रेडियो सुनते समय आप बागवानी , व्यायाम तथा अन्य कोई भी कार्य आसानी से कर सकते हैं
- रेडियो की पहुँच दूर दराज के दुर्गम इलाकों में भी आसानी से संभव है
- प्राकृतिक आपदाओं के समय रेडियो संपर्क करने का सबसे प्रभावशाली माध्यम है विशेष कर us समय जब संचार के अन्य साधन काम नहीं कर रहे हो
- रेडियो में स्क्रीन टाइम नहीं होता इसलिए आँखों के लिए उपयुक्त तो है ही लेकिन दृष्टिबाधित लोगों के लिए तो यह वरदान है

# A MUST ASK QUESTION

एक अत्यंत महत्वपूर्ण  
प्रश्न – प्रसारण किसे कहते  
हैं ?

**What is  
Broadcasting..  
Broad+Casting ?**



# BROADCASTING

# Broadcast=Broad+Cast

- Broad means- Wide AND Cast means- To put
- ब्रॉड का अर्थ होता है –विस्तृत और कास्ट का अर्थ –डालना
- When electronic magnetic signals are cast on vast geographical area covering overseas distances or a vast land mass, it is Broadcast.
- जब विद्युतीय चुम्बकीय तरंगें किसी विस्तृत क्षेत्र में डाली जाती हैं तो इसे ब्राडकास्ट कहते हैं
- In simple language, BROADCAST covers a vast distance of Land mass.
- used for international news, cultural propaganda and exposé of a particular country to other nations.



# Narrow Casting.



# Narrowcast= Narrow + Cast

- When Radio signals are cast or thrown or put in short geographical distances or to a narrow land mass, it is called NARROWCAST.
- These stations are also called the FM stations or Community Radio.
- They narrowcast focusing a specific area.
- They are more need based because every area has a specific mind set or common problems.
- इसी प्रकार जब रेडियो तरंगें किसी सीमित क्षेत्र में प्रसारित की जाती हैं तो वे नैरो कास्ट कहलाती हैं. इसका उदाहरण है FM रेडियो और सामुदायिक रेडियो  
- इन दिनों 255 सामुदायिक प्रसारण केन्द्रों से हमारे कार्यक्रम प्रसारित हो रहे हैं.

# रेडियो कार्यक्रम के निर्माण की प्रक्रिया



- **विषय वस्तु का चयन या मीडिया चुनाव -Media Selection**
- यह निर्धारित करना कि कार्यक्रम किस माध्यम से बनेगा ऑडियो , वीडियो या मल्टीमीडिया ।
- ऑडियो माध्यम में हम ऊँची कक्षाओं के गणित , विज्ञान और सांख्यिकी को अक्सर शामिल नहीं करते हैं । कई सामग्री ऐसी हो सकती है जो ऑडियो माध्यम के लिए अनुकूल न हो।
- ऑडियो माध्यम में भाषा और सामाजिक विज्ञान , गीत संगीत के कार्यक्रम विभिन्न प्रारूपों या formats में बहुत अच्छे बन सकते हैं ।



रेडियो कार्यक्रमों के प्रारूप - Formats of Radio Programmes...

# माध्यम चयन या मीडिया चयन के बाद

## Phase- 2

अब दूसरा चरण होगा यह निर्धारित करना कि कार्यक्रम का प्रारूप या format क्या होगा ? प्रारूप का अर्थ है प्रस्तुति की विधा क्या होगी ? कुछ महत्वपूर्ण रेडियो कार्यक्रम के प्रारूप इस प्रकार से हैं -

## डॉक्यूमेंटरी

यह एक लोकप्रिय प्रारूप है ।

यह उपलब्ध तथ्यों या दस्तावेजों पर ही आधारित होता है यह शब्द Document शब्द से निकला है। इसमें अक्सर दो प्रस्तुतकर्ता होते हैं । इसमें सामग्री सत्यापित दस्तावेजों यानि पांडुलिपियां, ऑडियो या वीडियो बाइट्स, पुस्तकें , शिलालेख , पत्र , समाचार पत्र , डायरी इत्यादि से ली जाती हैं। यह शोध आधारित होता है ।



# रेडियो डॉक्यूमेंटरी में ऐतिहासिकता होनी चाहिए

मुद्रित सामग्री



पांडुलिपि



संसाधन

ऑडियो



शिलालेख

वीडियो



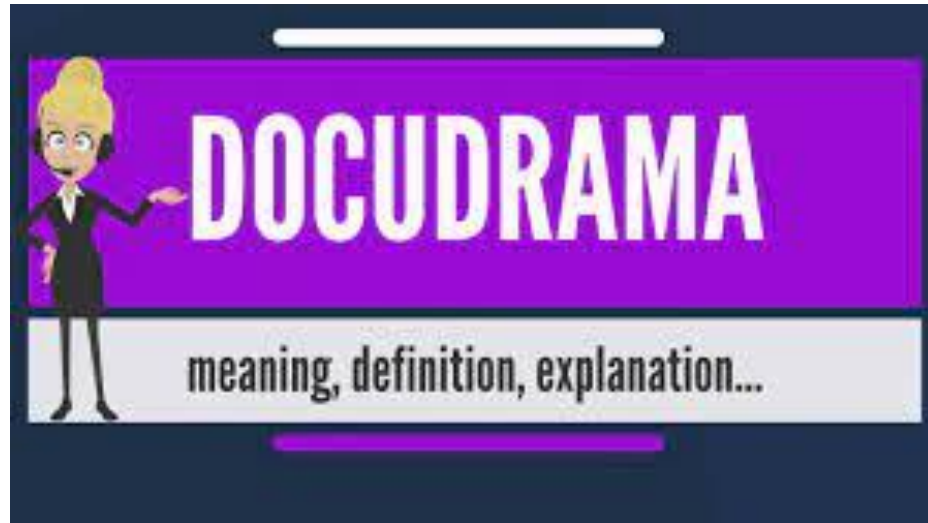
पत्र , डायरी , तस्वीरें



करपना नहीं तथ्य

रेडियो कार्यक्रम का दूसरा सबसे लोकप्रिय प्रारूप या format ----

## डॉक्यूड्रामा



**Narration + Drama with media treatment**

यह भी डॉक्यूमेंटरी ही है लेकिन इसमें नीरसता को हटाने के लिए नाटक को जोड़ दिया जाता है। यह ध्यान रखते हैं कि नाटक भी ऐतिहासिक दस्तावेजों या तथ्यों पर ही आधारित हो। यह शोध आधारित होता है।

# रेडियो पत्रिका या रेडियो मेगज़ीन



जैसे एक पत्रिका में विभिन्न प्रकार की सामग्री होती है वैसे ही एक रेडियो पत्रिका के एक ही कार्यक्रम में गीत , संगीत , कविता , नाटक , कहानी इत्यादि कुछ भी हो सकता है ।

# रेडियो फीचर



रेडियो फ़ीचर का अर्थ है किसी व्यक्ति , स्थान या वस्तु के बहुत सारे गुणों में से किसी एक विशेष गुण पर चर्चा की जाए ।

NCERT की एक पुस्तक बहुरूप गांधी फ़ीचर का सुंदर उदाहरण है ।

इस पुस्तक में गांधी जी पर अनेकों फ़ीचर हैं ।

संत-लेखक-वक्ता-नेता-संपेरा-नीलाम वाला







**Radio**

**TALK**



मेरा आज का विषय है-साइबर सुरक्षा

रेडियो वार्ता या टॉक-  
इस प्रारूप में श्रोताओं से सीधी बात की जाती है और  
किसी विशेष विषय पर समझाया जाता है, यह प्रायः  
interactive नहीं होता है ।  
लेक्चर, व्याख्यान इत्यादि इसी श्रेणी में आते हैं।



What's  
your  
view  
????



# Vox- Populi...यानी जनता की आवाज़

- इस प्रारूप में कार्यक्रम निर्माता लोगों के बीच जाकर मूल्य वृद्धि , प्रदूषण जैसे किसी भी सामूहिक विषय पर उनके विचार एकत्रित करता है
- स्टूडियो में वापस आकर उन्हें संपादित करता है और फिर उद्घोषणा के साथ उन्हें प्रसारित करता है ---



# रेडियो आलेख में किन बातों पर ध्यान दें ?

लिखते समय श्रोताओं को संबोधित अवश्य कीजिए जैसे नमस्कार , प्रिय श्रोताओ, प्रिय मित्रो, आपका स्वागत है इत्यादि।

-बहुत लम्बे वाक्य न बनाएँ क्योंकि श्रोता भूल सकता है कि क्या कहा जा रहा था  
-स्थानीय बोल चाल की भाषा / मुहावरों और आसान भाषा का प्रयोग करें

-कठिन शब्दों का प्रयोग कम से कम करें , इस लोभ से बचें ---

-रेडियो के लिए लिखना कान के लिए लिखना है

-ध्वनि अलंकार या ध्वनि सूचक शब्दों का का प्रयोग अवश्य करें -

कुछ उदाहरण जैसे -

-कप टेबल से गिरा /कप टेबल से गिरा और टूट गया ।

पेड़ पर पक्षी बैठे थे / पेड़ पर बैठे पक्षियों का मधुर स्वर से चहचहहाना बहुत अच्छा लग रहा था।

मेरे गाँव के पास एक नदी है / मेरे गाँव के पास बहती नदी की कल कल मन मोह लेती है ।

-  
लिखते समय उपयुक्त संगीत और ध्वनि प्रभावों पर भी ध्यान देना चाहिए ।



©DESIGNALIKE



# आलेख लिखा जा चुका , अब अगला चरण है रिकॉर्डिंग ?



-कलाकारों का चुनाव

-उन्हें studio में बुलाना और सबसे पहले आलेख को पढ़ना और उनकी भूमिका का बँटवारा

-रिकॉर्डिंग से पहले सभी कलाकारों के साथ अच्छी तरह से अभ्यास

-साउंड इंजीनियर से माइक्रोफोन,मिक्सर आदि पर विचार विमर्श और रिकॉर्डिंग

# उपलब्ध साधनों से हम रिकॉर्डिंग और सम्पादन कैसे कर सकते हैं ?



-इन दिनों में प्रायः सभी मोबाईल फ़ोन में अच्छी रिकॉर्डिंग की जा सकती है ।

-कुछ मोबाईल mp3 फ़ॉर्मेट में रेकॉर्ड करते हैं कुछ अलग फ़ॉर्मेट में लेकिन उन्हें mp3 में convert किया जा सकता है

-रिकॉर्ड करते समय ध्यान रखें कि आस पास शोर या कोई और आवाज़ न हो , बाद में ऐसी आवाज़ों को ठीक से हटाया नहीं जा सकता है ।



## कार्यक्रम रिकॉर्ड कर लिया गया लेकिन उसकी एडिटिंग या ध्वनि सम्पादन के लिए क्या करना होगा ?

सम्पादन या एडिटिंग के लिए बहुत से सॉफ्ट वेयर होते हैं लेकिन उनके लाइसेंस के लिए भुगतान करना होता है । जैसे NUENDO, Cool Edit, Logic Pro इत्यादि ।

-Audacity एक open source audio recording और editing software है।



इसे Google में जाकर download कर सकते हैं ।

इसे download करने और इस्तेमाल करने का विवरण विस्तार से आपको इस link में मिल जाएगा (हिंदी )

[https://youtu.be/ri93rV-gXOg?si=wm\\_ikOt6JlYzQH43](https://youtu.be/ri93rV-gXOg?si=wm_ikOt6JlYzQH43)

-Audacity में आप कई ट्रेक्स का इस्तेमाल कर सकते हैं और उपयुक्त ध्वनि प्रभाव और संगीत डाल सकते हैं ।

# शिक्षक ऑडियो कार्यक्रमों के द्वारा बच्चों की कैसे मदद कर सकते हैं ? और कार्यक्रमों का मूल्यांकन कैसे किया जाएगा ?



मूल्यांकन का मतलब है कार्यक्रम के प्रभाव के बारे में जानना  
-इसका पता तो लक्षित श्रोता वर्ग से सम्पर्क करने पर ही चलेगा ।

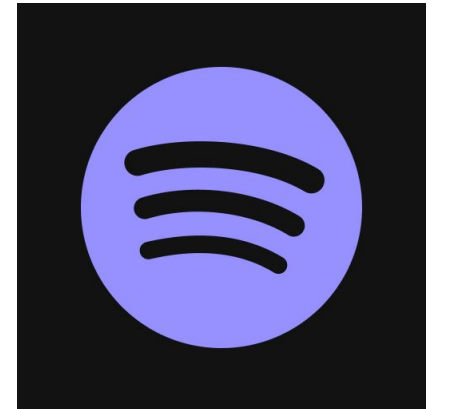
-इसके लिए कुछ विशेष काम किए जा सकते हैं

-WhatsApp पर broadcast ग्रुप बनाना। एक ग्रुप में 256 सदस्य बनाए जा सकते हैं और उन्हें कार्यक्रम भेजे जा सकते हैं । इसी प्रकार कई ग्रुप बनाए जा सकते हैं ।

आप podcast में भी जा सकते हैं जो इन दिनों बहुत लोकप्रिय हो रहा है ।  
बहुत से app हैं जिनमें से आप Podcaster app को download कर सकते हैं ।

-App का इस्तेमाल कैसे करें इसके लिए tutorial app में ही उपलब्ध है ।

-App में आपको पूरा मूल्यांकन मिल जाएगा जैसे सुनने वालों का आयु वर्ग , Sex ratio, सुनने की अवधि और श्रोताओं की टिप्पणियाँ इत्यादि ।





Thank  
you

For Being here and Listening.....